(ग) यह योजना किस तारीख से क्रियान्वित की जायगी ?

वाणिज्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री विश्व नाथ प्रताप सिंह) : (क) सरकार पांचवी पंचवर्षीय योजना के दौरान सूती वस्त्रों के निर्यात पर और अधिक ध्यान दे रही है । योजना आयोग द्वारा 1973 में इस संबंध में ब्यौरे तैयार करने के लिये टास्क फोर्स की नियुक्ति की गई है । टास्क फोर्स द्वारा वर्ष 1978–79 के लिये 1040 करोड मीटर सूती कपडे और 130 करोड किग्रा० सूत के निर्यात का लक्ष्य रखा गया है । यह वृद्धि 1973 के दौरान हुये वास्तविक निर्यातों की अपेक्षा औसतन 32 प्रतिशत अधिक बैठती है

(ख) वर्ष 1974 में सूती वस्त्रों के निर्यात के लिये भ० गा० अमरीका आस्ट्रेलिया और आस्ट्रिया से बातचीत हुई और उनके साथ करारों पर हस्ताक्षर किये गये । पहले करार समाप्त हो जाने पर यूरोपीय आर्थिक समुदाय ब्रिटेन तथा स्वीडन के साथ नये करारों पर बातचीत चल रही है और इस बीच तदर्थ व्यवस्थाओं के अन्तर्गत निर्यात किये जा रहे हैं। इनके अतिरिक्त बल्गारिया चैकोस्लोवाकिया जर्मन लोकतंत्रीय गणराज्य, हंगरी पोलैंड, रूमानिया सोवियत संघ तथा कोरिया लोकतंत्रीय जनवादी गणराज्य को सूती वस्त्रों के निर्यात इन देशों के साथ हस्ताक्षरित वार्षिक व्यापार प्लानों के अनुसार किये जाते है ।

(ग) ऐसी कोई औपचारिक योजना नहीं है ।

Import of Cotton from Pakistan

648 SHRI VASANT SATHE:
SHRI SUKHDEO PRASAD VERMA:
SHRI M M JOSEPH:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether the Indian Trade Delegation held talks with the officials of the Pakistan Cotton Export Corporation for import of cotton from Pakistan; and

(b) if so, the particulars of the deal finalised?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI VISHWANATH PRATAP SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) A contract has been signed for the supply of two lakh bales of cotton to India

नियंत्रण किस्म के कपड़े का उत्पादन

649. **डा० लक्ष्मीनारायण पांडे** : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) वर्ष 1974 में आम लोगों के लिये नियंत्रित किस्म का कितना कपड़ा बनवाया गया; और

(ख) इस वर्ष कितना कपड़ा बनवाया जायेगा ?

वाणिज्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री विश्व नाथ प्रताप सिंह) : (क) वर्ष 1974 (जनवरी से दिसम्बर 1974) के दौरान 66 6 करोड वर्ग मीटर नियंत्रित कपड़े का उत्पादन किया गया ।

(ख) वर्तमान योजना के अनुसार प्रति वर्ष 80 करोड वर्ग मीटर नियंत्रित कपड़े का उत्पादन किया जायेगा ।

Dearness Allowance dues to Jute Workers

650 SHRI KRISHANA CHANDRA HALDER: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state the reasons for resorting to DIR to deprive the jute workers of their dearness allowance dues?